प्रदेश के मध्य में स्थित इन स्थानों से मध्य प्रदेश, राजस्थान राज्यों की सीमा बिल्कुल निकट है तथा उत्तर प्रदेश के किसी भी हिस्से में सरलता से पहुंचा जा सकता है। दोनों जनपद देश के प्रमुख रेल मार्ग से - एक हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्गों, अनेकों एक्सप्रेस-वेज़ से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। जनपद औरैया में भारत सरकार के उपक्रम गेल एवं एनटीपीसी भी स्थित हैं। महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थान पर स्थित होने तथा रेल व सड़क मार्ग से अच्छी तरह से कनेक्ट होने के कारण इन दोनों जनपदों में अभी औद्योगिक विकास की अनेकों संभावनाएं हैं। दोनों जनपदों की औसत साक्षरता दर देश और प्रदेश की औसत साक्षरता दर से अधिक है। रोज़गार के अवसर कम होने के कारण वहां के प्रतिभाशाली युवा अनेकों शहरों में रोज़गार की तलाश में जाते हैं। इसलिए दोनों जनपदों एवं आस-पास के क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर बढ़ाने तथा जनपद के संपूर्ण विकास के लिए एक्सप्रैस-वे एवं रेल मार्ग के किनारे औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अति आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करती हूं कि वहां पर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएं, जिससे वहां के युवाओं को रोज़गार प्राप्त हो सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Geeta alias Chandraprabha: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Dr. Santanu Sen (West Bengal), and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Demand for a flyover on NH-31 in Begusarai

श्री राकेश सिन्हा (नामनिर्देशित): उपसभापति महोदय, जो नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण ...(**व्यवधान**)... हाल के वर्षों में मोदी सरकार ने नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण किया है, जो अभूतपूर्व कदम है और देश के लिए एक बहुत बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इस संदर्भ में बिहार के बेगूसराय से जो नेशनल हाईवे 31 गुजर रहा है, उसमें एक फ्लाईओवर बनाया जा रहा है, जो एक ट्रैफिक चौक तक ही आता है। यदि उसे खातोपुर तक, यानी कुछ मीटर्स आगे बढ़ा दिया जाए, तो एक्सिडेंट्स की संभावनाएं कम हो जाएंगी, जैसी कि आंशका जताई जा रही है।

दूसरा, उसी एनएच 31 पर बलिया में पावर हाउस से यदि जानीपुर तक एक फ्लाईओवर बनाया जाता है, तो लोग सुरक्षित रहेंगे। यह विषय मैं इस संदर्भ में उठा रहा हूं कि पैदल चलने वालों का एक प्राकृतिक और मौलिक अधिकार होता है। जब नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण हो रहा है, तो उन स्थानों पर छोटे-छोटे व्यापारी, फल विक्रेता और रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड पहले से स्थित होते हैं। उसके कारण जो आंकड़े आते हैं, जितने पैदल चलने वाले लोग होते हैं, उनमें 31 प्रतिशत व्यावसायिक कारणों से चलते हैं और जो रोड पर एक्सिडेंट्स हो रहे हैं, उनमें 58 प्रतिशत एक्सिडेंट्स, दुर्घटनाएं पैदल चलने वालों की हो रही हैं। भारत में 2022 में यह आंकड़ा लगभग 32,825 है और यह ग्लोबल ट्रेंड है। पूरी दुनिया में 1.2 मिलियन एक्सिडेंट्स होते हैं। 2022 में

अमेरिका में 7,500 एक्सिडेंट्स हुए हैं। यह 2010 की तुलना में 77 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत में भी यह वृद्धि लगातार हो रही है।

इस संदर्भ में मैं इन दो फ्लाईओवर्स की मांग करते हुए सामान्य संदर्भ में कहता हूं कि जहां भी सड़क का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण हो, वहां स्थानीयता को सुरक्षित रखा जाए, यानी स्थानीय लोग पैदल यात्रा करते हैं, कन्वेंशनल तरीकों से चलते हैं, बैलगाड़ी, टमटम या घोड़ा गाड़ी आदि से चलते हैं, तो उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। चूंकि नेशनल हाईवे बड़े-बड़े शहरों को जोड़ता है, तो इसमें स्थानीय लोगों को असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। मैं इस संदर्भ में सरकार से मांग करता हूं कि बेगूसराय एनएच 31 पर फ्लाईओवर को खातोपुर तक ले जाया जाए और दूसरा फ्लाईओवर बेगूसराय के ही बलिया में पावर हाउस से लेकर जानीपुर तक बनाया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Rakesh Sinha: Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), and Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Demand to start Medical Coach facility for serious patients in Trains

DR. PRASHANTA NANDA (Odisha): Mr. Deputy Chairman, Sir, through you, I would like to draw the kind attention of the Minister of Railways. I am talking about the trains that continuously run for more than 18 hours from one end to another end. इसके बारे में बोलने से पहले मैं यह बताना चाहता हूं कि मेरा पहला अनुभव है, while I was coming to Delhi by Rajdhani Express, जब कानपुर पास हो गया then there is only one stoppage, which is at Delhi. उस समय यह हुआ कि एक 38 साल के व्यक्ति को तभी स्ट्रोक आया, we could find out a doctor from there but he could not help. उसने बोला कि अगर ऑक्सीज़न का एक सिलेंडर होता, तो मैं इसे जिंदा रखता। आपको यह सुनकर खराब लगा होगा, मुझे भी बहुत खराब लगा था कि उस 38 साल के व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। महोदय, सिर्फ यही एक कहानी नहीं है, ऐसी बहुत सारी कहानियाँ हैं, ऐसी बहुत सारी न्यूज़ भी आ रही हैं। महोदय, मैं इसको ध्यान में रखते हुए एक और बात कहना चाह रहा हूं कि कोरोना के बाद, almost all the children are prone to deficiency of oxygen. जब ट्रेन में जा रहे हैं, तो उनके माँ-बाप भी जानते हैं कि इसको नेबुलाइज़र की जरूरत है, वे नेबुलाइज़र लेकर भी आते हैं, लेकिन वहाँ नेबुलाइज़र काम नहीं करता है, क्योंकि बोगी में जो 110 डीसी करंट है, उससे नेबुलाइज़र काम नहीं करता है। उसके बाद यह भी होता है - यह ज्यादातर कोरोना के बाद से हो रहा है कि शरीर में immediately sodium deficiency हो जाती है और उसे एक saline की जरूरत पड़ती है, जिससे वह जिंदा रह सके, लेकिन उस सेलाइन के आने से पहले ही दम घुट जाता है। So, through you, I would like to draw the kind attention of the hon. Railway Minister, who